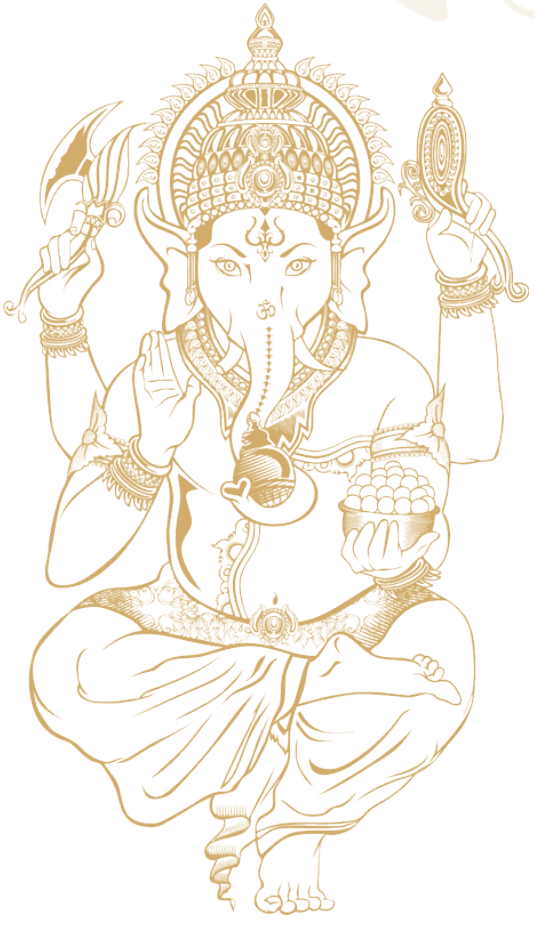

Arnav

02 Aug 2007

07:14 PM

Nawada

Model: web-freekundliweb

Order No: 121654305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/08/2007**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:14:00 घंटे**
इष्ट	34:55:35 घटी
स्थान	**Nawada**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:54:00 उत्तर
रेखांश	85:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:26:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:18 घंटे
साम्पातिक काल	16:09:18 घंटे
सूर्योदय	05:15:45 घंटे
सूर्यास्त	18:31:57 घंटे
दिनमान	13:16:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:56:13 कर्क
लग्न के अंश	29:32:43 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	29:32:43	446:43:55	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
सूर्य			कर्क	15:56:13	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	01:54:15	14:11:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	02:57:47	00:39:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
बुध			कर्क	01:56:21	01:51:38	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		वृश्चि	15:59:47	00:00:50	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	08:19:02	00:13:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			सिंह	02:06:52	00:07:26	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	13:15:41	00:01:10	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:15:41	00:01:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:07:28	00:01:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	26:58:14	00:01:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	02:39:34	00:01:01	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	10:20:29	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:54

लग्न-चलित

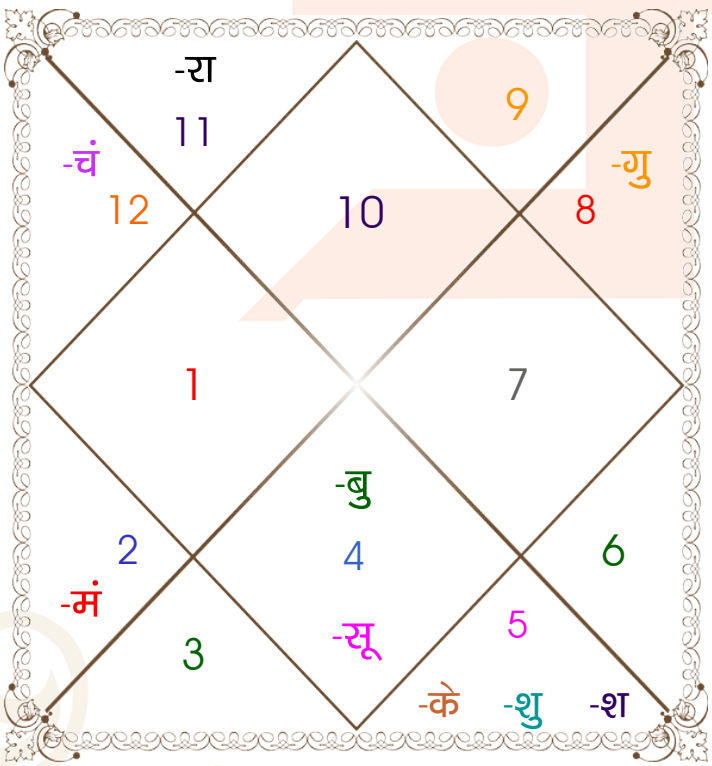

चन्द्र कुंडली

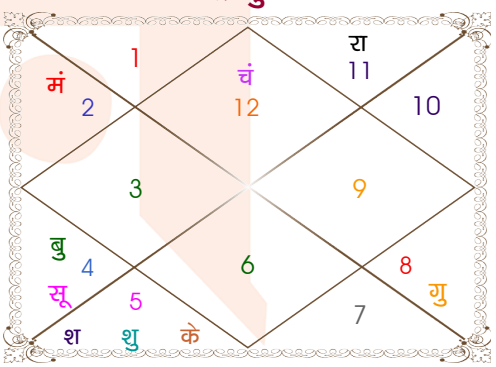

नवमांश कुंडली

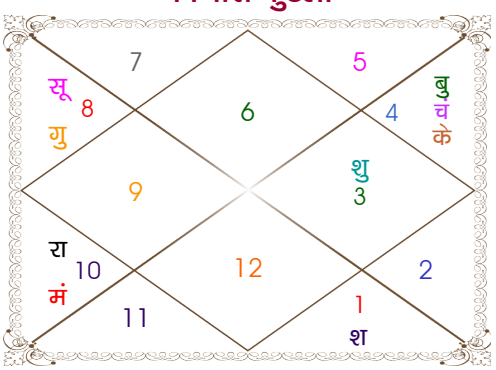

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 8 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/08/2007		20/04/2009		19/04/2028		20/04/2045		19/04/2052	
20/04/2009		19/04/2028		20/04/2045		19/04/2052		19/04/2072	
	00/00/0000	शनि	22/04/2012	बुध	16/09/2030	केतु	16/09/2045	शुक्र	20/08/2055
	00/00/0000	बुध	01/01/2015	केतु	13/09/2031	शुक्र	16/11/2046	सूर्य	19/08/2056
	00/00/0000	केतु	09/02/2016	शुक्र	14/07/2034	सूर्य	24/03/2047	चंद्र	20/04/2058
	00/00/0000	शुक्र	11/04/2019	सूर्य	21/05/2035	चंद्र	23/10/2047	मंगल	20/06/2059
	00/00/0000	सूर्य	23/03/2020	चंद्र	19/10/2036	मंगल	20/03/2048	राहु	20/06/2062
	00/00/0000	चंद्र	22/10/2021	मंगल	16/10/2037	राहु	07/04/2049	गुरु	18/02/2065
	00/00/0000	मंगल	01/12/2022	राहु	05/05/2040	गुरु	14/03/2050	शनि	19/04/2068
	02/08/2007	राहु	07/10/2025	गुरु	11/08/2042	शनि	23/04/2051	बुध	18/02/2071
राहु	20/04/2009	गुरु	19/04/2028	शनि	20/04/2045	बुध	19/04/2052	केतु	19/04/2072

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/04/2072		20/04/2078		19/04/2088		20/04/2095		21/04/2113	
20/04/2078		19/04/2088		20/04/2095		21/04/2113		03/08/2127	
सूर्य	07/08/2072	चंद्र	18/02/2079	मंगल	16/09/2088	राहु	31/12/2097	गुरु	09/06/2115
चंद्र	06/02/2073	मंगल	19/09/2079	राहु	04/10/2089	गुरु	27/05/2100	शनि	20/12/2117
मंगल	13/06/2073	राहु	20/03/2081	गुरु	10/09/2090	शनि	03/04/2103	बुध	27/03/2120
राहु	08/05/2074	गुरु	20/07/2082	शनि	20/10/2091	बुध	20/10/2105	केतु	03/03/2121
गुरु	24/02/2075	शनि	19/02/2084	बुध	16/10/2092	केतु	08/11/2106	शुक्र	02/11/2123
शनि	06/02/2076	बुध	20/07/2085	केतु	14/03/2093	शुक्र	08/11/2109	सूर्य	20/08/2124
बुध	13/12/2076	केतु	18/02/2086	शुक्र	14/05/2094	सूर्य	02/10/2110	चंद्र	20/12/2125
केतु	20/04/2077	शुक्र	20/10/2087	सूर्य	19/09/2094	चंद्र	02/04/2112	मंगल	26/11/2126
शुक्र	20/04/2078	सूर्य	19/04/2088	चंद्र	20/04/2095	मंगल	21/04/2113	राहु	03/08/2127

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 8 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कन्या राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि संयोजनों से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप पर्याप्त साधन संग्रह करने के मामले में बहुत बड़े भाग्यशाली प्राणी हैं। परंतु आपके लिए यह निर्देश अत्यंत ग्राह्यनीय है कि आपकी मनोवृति यह हो सकता है कि शीघ्रतापूर्वक धनी बनने के लिए जूआ, सट्टा आदि खेल कर सफलता पूर्वक धनवान बन सकता हूं। परंतु उत्तम तो यह है कि आप अपनी इस मनोवृति को इस भावना के प्रति मोड़ दे। तथापि आप यदा-कदा लाटरी का टिकट खरीद कर कुछ लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आप किसी भी विषय को सुदृढ़तापूर्वक समझ जाते हैं। आप अपने लक्ष्य को निर्देश अुनसार प्रेरित होकर किसी भी कार्य कलाप के पीछे साहस पूर्वक दृढ़ संकल्पित होकर संलग्न हो जाते हैं। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप स्पष्ट रूप से विचार कर के अपनी कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं तथा किसी भी प्रकार की भूमिका की सफलता प्राप्ति हेतु छलांग लगाकर प्रयास नहीं करते हैं।

आप सपत्नीक किसी कार्य को विवेकपूर्वक करके अपने कार्य-कलाप की सफलता प्राप्ति हेतु सक्षम हैं। आप अपने जीवन के उत्तम समयावधि में सुमधुर समय पर सावधानी पूर्वक लाभांवित हो सकते हैं। जब आपकी आयु 15 वें वर्ष से 23 वर्ष के मध्य एवं 29 वें वर्ष तक की होगी। वह समय आपके लिए भाग्यशाली प्रमाणित होगा।

इन तीन वर्षो के अंतर्गत आप अपनी संतुष्टि हेतु किसी प्रकार का अनैतिक एवं दुःसाहसिक कार्य न करें। आप इस समय सहजता पूर्वक सुखी एवं संतुष्ट हो जाएंगे।

आप अपने लिए कार्य व्यवसायों में जनरलिस्ट एवं संचार मिडिया का कार्य धर्म एवं दर्शन के कार्य, पुलिस, प्रतिरक्षा की सेवा, खनिज व्यवसाय, चर्मोद्योग कृषि कार्य एवं सामान्य औद्योगिक प्रतिष्ठान की स्थापना आदि कार्यो में से अपनी इच्छानुसार किसी भी कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।

आपमें विद्वेष एवं उच्चाकांक्षा रहती है, जो क्षणिक कार्यकलाप का घोतक है। आप आपने परिवार से अत्यधिक संबद्ध रहने वाले प्राणी हैं। आप अपनी पत्नी एवं बच्चों के प्रति श्रद्धावान होंगे।

उन लोगों की मनोवृत्ति आपसे अधिक आदान-प्रदान करने की रहती हैं, वे अधिक मात्रा में आपसे अपेक्षा करते हैं। इन बातों को आप महसूस करते हैं। सामान्यतः आप अपने पिता (अभिभावक) भाई एवं बहनों के प्रति बहुत स्नेहशील रहने वाले व्यक्ति होंगे।

आपको अपने जीवन में संगीत कला अर्थात् गायन-वादन से युक्त रहना एक अच्छा आनंददायक माहौल रहेगा। आपके बहुत मित्रगण होंगे, जो आपके साथ अपना

आनंददायक समय व्यतीत करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु अधिक उम्र में ऐसे अवसर आ सकते हैं। जिस समय आपको हृदय संबंधी समस्याएं मूर्छा (बेहोशी) लगातार कफ-सर्दी, जुकाम आदि रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप समय-समय पर चिकित्सक से जांच-पड़ताल कराते रहें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उत्तम है। परंतु आपके लिए क्रीम एवं पीला रंग अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं निर्भरात्मक अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। जबकि आपके लिए अंक 3 सर्वथा त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन शुभ दर्शनीय एवं महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए अनुपयुक्त है।